DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 27 सितंबर, 2022 दिल्ली जागरण

विकास परियोजनाओं में समय सीमा का सख्ती से किया जाए पालन : उपराज्यपाल

समीक्षा बैठक में एम्स के पुनर्विकास व साइकिल पथ योजना में तेजी लाने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा है कि दिल्ली में जिन विकास योजनाओं पर कार्य चल रहा है। उन्हें समय पर पूरा किया जाना चाहिए। इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपराज्यपाल सोमवार को यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग सेंटर (यूटिपैक) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इसमें उन्होंने दिल्ली के विकास से जुड़ी परियोजनाओं के कई प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी। इसमें मेट्रो स्टेशन की दीर्घकालिक सुधार योजना में चिन्हित क्रिटिकल कारिडोर के लिए एकीकृत ट्रांजिट कारिडोर विकास योजना के अलावा एम्स के पुनर्विकास की योजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही विभिन्न सड़कों पर प्रस्तावित साइकिल पथ योजना में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में छतरपुर से मैदानगढ़ी, सरयूपुर और सतबारी में संस्थागत क्षेत्र तक पहुंच मार्ग की परियोजना पर चर्चा की गई। यहां सार्क विश्वविद्यालय, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल प्रबंधन विज्ञान संस्थान, एचयूपीए और एनआइसी आदि के भवन बनने वाले हैं। इसके लिए सात मीटर की सड़क को चौड़ा करके 30 मीटर किया जाना है। इसके लिए भूमि के अधिग्रहण पर चर्चा की गई। अफसरों ने बताया कि इसमें सबसे बड़ा पेच वन विभाग की मंजूरी है। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि वे डीडीए और ग्राम सभा के पास उपलब्ध भूमि को ध्यान में रखते हुए सड़क को चौड़ा करने की संभावनाएं तलाशें। इस बीच उपराज्यपाल ने मल्टी माडल इंटीग्रेशन (एमएमआइ) योजना में झंडेवालान, राजेंद्र प्लेस, नांगलोई मेट्रो स्टेशन सहित 59 मेट्रो स्टेशनों के लिए स्वीकृत एमएमआइ योजनाओं को आपसी समन्वय से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने अफसरों से कहा कि विभागों की आपसी खींचतान की वजह से विकास के कार्य प्रभावित नहीं होने चाहिए।

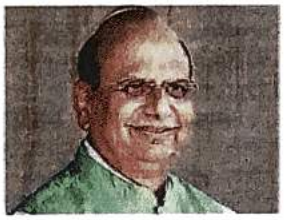

वीके सक्सेना • जागरण आर्काइव

इन नए प्रस्तावों और परियोजनाओं को समीक्षा बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने दी स्वीकृति

- मास्टर प्लान के तहत एम्स को विश्व स्तरीय चिकित्सा विश्वविद्यालय में बदलने के लिए कार्यान्वयन को स्वीकृति दी
- एम्स परिसर के पुनर्विकास के लिए यातायात प्रभाव आकलन रिपोर्ट के लिए अनुमोदन किया
- न्यू मोती बाग से साउथ ब्लाक, नार्थ ब्लाक, निर्माण भवन, शांति पथ, नीति मार्ग, कौटिल्य मार्ग, गोपीनाथ बारदोलोल मार्ग, तीन मूर्ति मार्ग, कुशक रोड, राजाजी मार्ग और के कामराज मार्ग, मौलाना आजाद रोड, रफी मार्ग, रेड क्रास रोड,संसद मार्ग, जीआरजी रोड, पंडित पंथ मार्ग पर साइकिल पथ तैयार करने की योजना
- द्वारका (द्वितीय) के क्षेत्र के लिए व्यापक गतिशीलता योजना की तैयारी। इसमें तत्काल और अल्पकालिक सुधार योजना में पांच जंक्शनों के लिए चौराहा सुधार योजना, आवागमन में सुधार, सार्वजनिक परिवहन सुधार, लास्ट माइल कनेक्टिविटी, ई- पार्किंग सुधार और समाधान की योजनाएं शामिल हैं
- दीर्घकालिक सुधार योजना में चिह्नित क्रिटिकल कारिडोर के लिए एकीकृत ट्रांजिट कारिडोर विकास योजना। इस योजना में द्वारका मोड़ से पालम मेट्रो स्टेशन तक एकीकृत ट्रांजिट कारिडोर बनाया जाना है
- द्वारका से संबंधित प्रस्तावों के संबंध में उपराज्यपाल ने क्षेत्र में प्रस्तावित और आगामी डिप्लोमैटिक एन्क्लेव, स्पोर्ट्स सेंटर और भारत वंदना पार्क के लिए संभावित यातायात और गतिशीलता अनुमानों को ध्यान में रखने के लिए कहा है।
- राइट आफ वे (आरओडब्ल्यू) पर आठ दुकानों द्वारा अतिक्रमण से संबंधित लंबित अदालती मामलों के संदर्भ में कड़कड़डूमा मेट्रो स्टेशन पर स्वीकृत मल्टी माडल इंटीग्रेशन (एमएमआइ) योजना में संशोधन किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

TIMES CITY

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
TUESDAY, SEPTEMBER 27, 2022

10km-Long Cycle Corridor, Other Key Traffic And Transit Projects Get Nod

Impact Assessment Report For Redevelopment Of AIIMS Campus Also Approved

Sidhartha.Roy@timesgroup.com

New Delhi: A nearly 10-km-long cycle corridor connecting New Moti Bagh in south Delhi with Central Secretariat planned by New Delhi Municipal Council was cleared by the governing body of Unified Traffic and Transportation Infrastructure (Planning & Engineering) Centre (UTTIPEC), the road engineering overseer, on Monday.

Apart from the cycle corridor, approved at a meeting chaired by lieutenant governor VK Saxena on Monday, other traffic and transport infrastructure projects that got the nod included a comprehensive mobility plan for Dwarka, traffic impact assessment report for the redevelopment of the AIIMS campus to convert it into a 'worldclass' medical university and multimodal integration (MMI) of select Delhi Metro stations.

Sources said that the corridor, with its route including Nirman Bhawan, Shanti Path, Kautilya Marg, Teen Murti Marg and Sansad Marg, was found 'doable' since it would face the fewest interventions. Officials said that the corridor was expected to become a 'model path', setting a trend for more such corridors.

The comprehensive mobility plan for Dwarka Zone includes immediate and short-term plans like improved intersections, enhanced walkability, better public transport, reliable last-mile connectivity and parking solutions. A long-term improvement plan includes an integrated transit corridor development for the Dwarka Mor to Palam metro station segment.

Sources said that Saxena asked officials to take into account the prospective traffic and mobility projections in light of the proposed and upcoming diplomatic enclave, sports centre and Bharat Vandana Park in Dwarka. Saxena also asked officials to explore and apprise him of plans for alternate access and exits from Dwarka.

Sources said that Delhi Development Authority would ensure that the transport department's plans for 'circulator' bus routes would be in sync with the Dwarka mobility plan.

MMI of the Jhandewalan, Rajendra Place and Nangloi metro stations were also approved as was the modifications of Karkardooma metro station's MMI in light of the pending court cases related to encroachment by eight shops at the proposed entry point there. Sources said that to avoid any delay, DDA has shifted the entry for the time being, but the MMI is designed keeping in mind that ultimately the encroached land will revert to the agency.

The LG expressed dissatisfaction at the lack of inter-agency coordination for successful implementation of MMI of 59 metro stations approved earlier, sources said. Saxena issued directions for seamless coordination between stakeholders, including the Public Works Department, transport department, Municipal Corporation of Delhi, Delhi Traffic Police and DDA. He also asked for the identification of five metro stations with the heaviest footfall for implementation of MMI plans on a pilot basis.

Discussing the action taken report on a project of approach road from Chhatarpur to the institutional area in Maidan Garhi, Saryupur and Satbari, where the SAARC University and the Central Armed Police Forces Institute of Management Science are coming up, the LG instructed DDA to explore the possibility of widening the road to the extent possible taking into account the land available with it, gram sabha and the forest department. He also asked for another design that would include the private land.

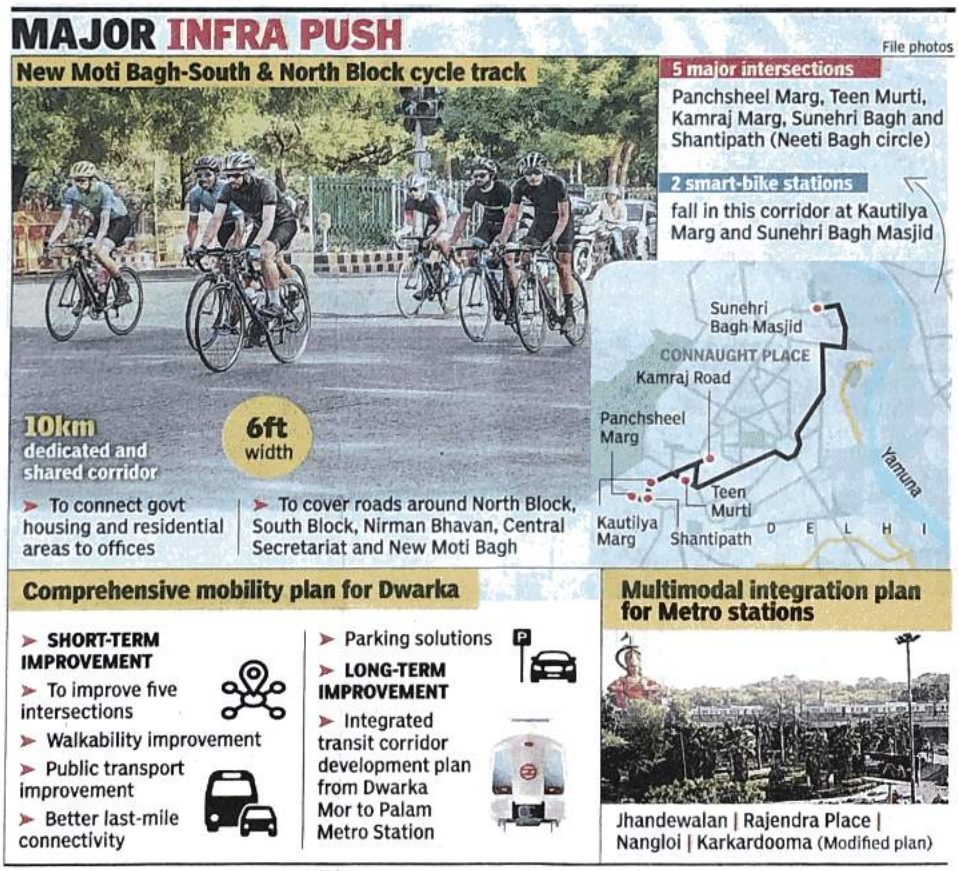

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-- हिन्दुस्तान ----------DATED----- दैनिक जागरण नई दिल्ली, 27 सितंबर, 2022

डेंगू के चार साल में सबसे ज्यादा मामले

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। इस साल राजधानी में डेंगू का प्रकोप बढ़ गया है। पिछले साल के मुकाबले इस साल 21 सितंबर तक डेंगू के 525 मामले सामने आ चुके हैं। गत वर्ष 21 सितंबर 2021 तक डेंगू के 273 मामले सामने आए थे।

दिल्ली नगर निगम द्वारा सोमवार को जारी की गई डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया की रिपोर्ट से हुआ है। निगम अधिकारियों का कहना है कि लगातार बारिश होने की वजह से डेंगू के मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिसकी वजह से डेंगू के मरीजों की संख्या अधिक हो गई है। उनका कहना है कि जिन घरों में डेंगू के मरीज पाए गए हैं उन घरों के आस-पास मच्छर के लार्वा मारने की दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मलेरिया के 106 मामले अब तक सामने आ चुके हैं, जबकि बीते साल 102 मामले सामने आए थे, जहां तक चिकनगुनिया के मामलों का सवाल है, उनकी संख्या 20 है जबकि वर्ष 2021 में चिकनगुनिया के 52 मामले सामने आए थे। निगम का दावा है कि डेंगू के बढ़ते मामलों की रोकथाम के लिए निर्माण स्थल तथा सरकारी संस्थानों व गैर सरकारी संस्थानों पर पनप रहे लार्वा मच्छरों को नष्ट किया जा रहा है और एफआईआर तक दर्ज कराई जा रही है।

कब कितने मरीज

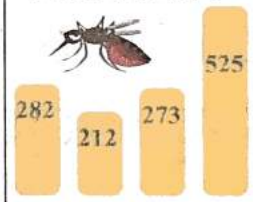

257 निर्माण स्थलों पर मच्छरों का प्रजनन मिला

दिल्ली नगर निगम ने अब तक 1027 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 257 निर्माण स्थलों पर मच्छरों का प्रजनन पाया गया। निगम ने बिल्डिंग के मालिकों और ठेकेदारों को नोटिस और चालान किए हैं। आईटीपीओ, प्रगति मैदान, मैदानगढ़ी, डीएमआरसी, डीडीए हाउसिंग कॉम्पलेक्स में यह कार्रवाई की गई।

संजय झील में तैरते सोलर पैनलों से बनेगी बिजली

त्रिलोकपुरी स्थित संजय झील● जागरण आर्काइव

एक से डेढ़ मेगावाट बिजली के उत्पादन का लगाया जा रहा है अनुमान, डीडीए के 50 पार्कों को मिल सकेगी बिजली

जासं, पूर्वी दिल्ली : डीडीए त्रिलोकपुरी स्थित संजय झील में राजधानी का पहला तैरने वाला सौर ऊर्जा संयंत्र बनाने की योजना तैयार कर रहा है। इस संयंत्र से लगभग एक से डेढ़ मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा और डीडीए के 50 पार्कों में बिजली आपूर्ति की जा सकती है। तेलंगाना और केरल की तर्ज पर इस योजना पर काम किया जा रहा है।

डीडीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि पार्क करीब 170 एकड़ में फैला है। इसमें झील का क्षेत्रफल 52.3 एकड़ है। झील के मध्य भाग के एक तिहाई हिस्से में तैरने वाले सौर ऊर्जा पैनल लगाकर संयंत्र लगाने की योजना बनाई जा रही है। झील के बाकी हिस्से में पहले की तरह बोटिंग की सुविधा रहेगी। पार्क के सुंदरीकरण और वहां हरियाली बढ़ाने के लिए लगभग पांच हजार देशी प्रजाति के पौधे भी लगाए जाएंगे। पिछले दिनों डीडीए ने झील की सफाई और कायाकल्प के लिए दिल्ली जल बोर्ड के साथ बैठक कर काम सौंपा था।

ये होंगी सुविधाएं

- लोगों के लिए बनाए जाएंगे सेल्फी प्वाइंट
- साइकलिंग ट्रैक, एम्फीथियटर और हरित क्षेत्र संजय झील का होगा मुख्य आकर्षण
- लोगों के बैठने के लिए बेंच की भी होगी व्यवस्था

संजय झील में तैरने वाले सौर ऊर्जा संयंत्र को लगाने की योजना बनाई जा रही है। इसमें आने वाली लागत और कई बिंदुओं पर डीडीए द्वारा बैठक कर विचार किया जा रहा है। इस संयंत्र की सहायता से दिल्ली के अन्य पार्कों को बिजली मिलेगी।

-अशोक कुमार
निदेशक, दिल्ली विकास प्राधिकरण

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
TUESDAY, SEPTEMBER 27, 2022

129 dengue cases in 4 days, total over 500

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The Municipal Corporation of Delhi (MCD) report on vector-borne diseases continues to show an upward trend, with 129 fresh dengue cases being registered in just four days last week, between September 18 and 21. In all, 525 dengue cases have been reported till September 21.

In comparison, 273 cases of dengue were recorded last year till this period, and 212 in 2020 and 282 in 2019. Out of the total cases, 281 have been registered till September 21, 2022 alone in comparison with 217 during the same month in 2021 and 188 in 2020.

The number of new malaria cases was 14 during the same period last week, taking the total to 106 in comparison with 102 in 2021 and 149 in 2020. Out of these cases, 57 have been reported this September as against 56 in September 2021 and 102 in 2020. Three cases of chikungunya were also recorded, with the total count reaching 20 in comparison with 52 till this month in 2021.

273
CASES OF DENGUE WERE RECORDED LAST YEAR TILL THIS PERIOD

To check mosquito breeding at construction sites, "MCD checked 1,027 construction sites, out of which 257 were found positive for mosquito breeding. The public health department took action against the owners/contractors of these sites by issuing 135 legal notices and 97 challans. Prosecution was also launched against 69 sites," the civic body stated. "Prominent construction sites where mosquito breeding was found are those of ITPO at Pragati Madan, Sports Authority of India at Dwarka, DDA housing complex at Sector 19 Dwarka and Mohan Cooperative Industrial Estate."

Owners/contractors at construction sites have been asked to channelise water or pour kerosene and diesel on the surface of stagnant water to stop mosquito breeding.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE HINDU - Tuesday, September 27, 2022
DELHI

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

DDA's renewed attempt to sell 8,500 flats in Narela sub-city

The LIG, EWS flats on offer in Narela have found few takers in the past; to attract homebuyers, the urban body has relaxed norms and is trying to augment connectivity, police presence in Narela

Muneef Khan
NEW DELHI

The Delhi Development Authority (DDA) recently made another bid to dispose of its unsold inventory in Narela by offering over 8,500 flats in batches for the lower income group (LIG) and economically weaker section (EWS) nearly a fortnight ago.

In the first batch, 1,281 flats are on offer, whose sale is expected to fetch the urban body ₹196.90 crore in revenue. Of these, 870 flats have already been sold, say officials.

In order to attract homebuyers, the DDA is offering its flats on a "first-come-first-serve" basis through a "running" scheme, which means that it has no deadline. Moreover, the urban body has relaxed its norms for the allotment of EWS houses. The relaxation mainly involves doing away with the condition that the applicant's annual individual income should be less than ₹3 lakh.

However, there's a long way to go before DDA manages to attract enough attention to dispose of the first batch of its 8,500 flats, which itself is a fraction of the 50,000 unsold flats that the urban body has in Narela.

Officials whom The Hindu spoke to, spoke about the issues ailing DDA's housing projects in Narela and the manner in which the urban body is trying to fix them.

Relaunch bid: In the first batch, 1,281 DDA flats are on offer in Narela. FILE PHOTO

Three big issues

According to a senior official, the DDA faces three major hurdles in the Narela sub-city – its poor image among homebuyers given that the flats have remained unsold despite being offered in multiple housing schemes, deficient connectivity with the other parts of the Capital and sparse deployment of the police.

"I feel that with the norms being relaxed, our scheme will get some traction. But some issues, in terms of its location and connectivity, may take longer to resolve. If it were only about the image of the area, we could have dealt with it. Perceptions can be changed. But it's a combination of both," said a senior DDA official.

Connecting sub-city

He added that the urban body is in talks with the Delhi Transport Corporation to chalk out a few bus routes closer to the housing pockets in Narela, to improve the area's connectivity.

At the moment, DTC operates two buses in two shifts from Narela pocket-G and Narela Sector-A1 to Central Secretariat. Moreover, to improve the police's presence in the area, the DDA has also allotted land to Delhi Police for construction of 11 police stations in various sectors of the sub-city.

"Narela has been pitched on the lines of a sub-city that will come up in the future and large-scale development works are already underway. However, these works, and connectivity improvements such as the metro rail, will take time," said a second DDA official.

"Even in the case of Dwarka, homebuyers were initially not keen about purchasing houses. But if we look at it now, the picture is completely different. Similarly, Narela is a place which will appeal to homebuyers in the future. It will definitely find takers once the issues are sorted out," the official added.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

राष्ट्रीय सहारा

millenniumpost
TUESDAY, 27 SEPTEMBER, 2022 | NEW DELHI

------DATED----- नई दिल्ली। मंगलवार • 27 सितम्बर • 2022

Bulk of dengue cases came in September; MCD says it is expected to get worse

SATVIKA MAHAJAN

NEW DELHI: With the onslaught of rain in the national Capital in September 2022, cases of dengue have increased exponentially. The city recorded a total of 281 cases till September 21, 2022 whereas in August, only 75 cases were recorded as per the reports from Municipal Corporation of Delhi.

MCD's public health department has taken several measures to control the spike in cases, however, officials stated that further hike in cases is expected in the upcoming months due extended monsoon in Delhi. Last year, a total of 9,613 dengue cases were reported in Delhi, a record breaking number in several years, officials have predicted that it is possible that 2022 might see a similar amount of cases.

In order to check mosquito breeding in construction sites, the MCD has conducted massive checking drive in its area. During a drive conducted recently, a total of 1,027 construction sites were checked, out of which 257 sites were found positive for mosquito breeding. MCD's public health department took action against owners/contractors of the sites by issuing 135 legal notices and 97 challans. Apart from this, prosecution also launched against 69 sites. Action against owners/contractors of the sites was taken under DMC (Malaria & VBD)/Bye-Laws 1975.

They have also asked owners/contractors that breeding in construction sites can be eliminated very effectively by channelising water or by pouring kerosene oil and diesel on the surface of stagnant water. The department has also urged people for their active participation for prevention and control of vector-borne diseases-dengue, malaria and chikungunya.

Prominent construction sites where mosquito breeding was found are construction site of ITPO, Pragati Madan, Sports Authority of India, Dwarka, SAARC University, Maidangarhi, DMRC, Dakhinpuri, DDA housing complex, Sector 19 Dwarka, Mohan Cooperative Industrial Estate.

MCD officials added that they have made several efforts to keep numbers in check but despite that there are several other factors such as rains, lack of awareness, unchecked breeding spots, etc that have caused the issue.

निर्माण स्थलों पर मच्छरों का प्रजनन मिलने पर चालान व नोटिस

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली नगर निगम के जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्माण स्थलों पर मच्छरों के प्रजनन का पता लगाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 1027 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया गया। इसमें से 257 निर्माण स्थलों पर मच्छरों का प्रजनन पाया गया। विभाग द्वारा इन 257 निर्माण स्थलों पर कार्रवाई करते हुए बिल्डिंग के मालिकों और ठेकेदारों को 135 नोटिस और 97 चालान जारी किए गए।

निगम अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग मालिकों और ठेकेदारों को सलाह दी गई है कि निर्माण स्थलों पर मच्छरों का प्रजनन रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करें। साथ ही जहां पानी जमा किया गया है, वहां केरोसिन व डीजल भी डाला जा सकता है। डेंगू, मलेरिया व चिंकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों के नियंत्रण के लिए जन-सहभागिता आवश्यक है।

जहां मच्छरों का प्रजनन पाया गया, उनमें आईटीपीओ, प्रगति मैदान, भारतीय खेल प्राधिकरण, द्वारका, सार्क विश्वविद्यालय, मैदानगढ़ी, डीएमआरसी, दक्षिणपुरी, डीडीए हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-19 द्वारका, मोहन को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट के निर्माण स्थल शामिल हैं।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER

the pioneer
NEW DELHI | TUESDAY | SEPTEMBER 27, 2022

BJP tried to incite riots in Delhi with fake news: AAP

STAFF REPORTER
NEW DELHI

The AAP on Monday said that the BJP tried to incite riots in Delhi by spreading fake news and a proof has been submitted to Lieutenant Governor.

AAP MLA, Somnath Bharti said that on September 16, BJP released a video through which they tried to mislead the audience about land jihad and the photo shown in the video by BJP is of Mohammed Shahbudeen who was jailed in Tihar and died during Covid.

"This photo was taken in the cemetery behind ITO. A BJP politician who used the picture to churn out fake news from it that AAP is about to build another cemetery. By showing this picture, BJP tried to spread riots in Delhi but they failed miserably at it. They are thirsty for blood and stoop to

any level for political gains," said Bharti.

"I have submitted a letter to LG and told him that BJP's failed attempt to create violence in Delhi is exposed. All the pictures shown by them were fake," said Bharti.

Shedding light on the corruption done by BJP, he said, a BJP councillor Shailendar Singh Monty, in 2007 didn't have enough funds to campaign for himself but in 2020, when this person stood for assembly elections, he showed his wealth as Rs 28 crores of white money.

"Which machine has the BJP installed to produce so much money and amass so much wealth despite being in public life? In 2007, he did not have a penny and in 2020 he holds Rs 28 crores," said Bharti.

"It has been 36 hours since I submitted documents to the L-G and he is yet to take any action. Since Monet is a BJP leader, CBI and ED will not dare to take any action against him," said Bharti adding that he demands L-G to direct the CBI and ED to initiate investigation against Shailendar Singh Monty.

"He has grabbed DDA's land and if the L-G is actually concerned about DDA's land, then he should take strict action against him. All his illegal structures, be it hotel, mansions or bars, should be demolished and lands should be freed from encroachment. A case should be registered against him," said Bharti.